www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 199 | जौनपुर शनिवार, 07 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

पीएम मोदी कृषि पर वेबिनार को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ष्कृषि और ग्रामीण परिवर्तनष थीम पर बजट के बाद होने वाले वेबिनार को संबोधित करेंगे। यह जानकारी पीएम के अधिकारी ने दी। इस थीम के तहत, पीएम मोदी चार बड़े सेक्टर को कवर करते हुए आठ अलग–अलग वेबिनार सत्र कर रहे हैं, जिनमें खेती, पशुपालन और डेयरीय मछली पालन और ग्रामीण जीविका शामिल हैं। इस थीम के तहत, पीएम मोदी चार प्रमुख क्षेत्रों को कवर करते हुए आठ अलग–अलग वेबिनार सत्र आयोजित कर रहे हैं, जिनमें कृषि, पशुपालन और डेयरी, मत्स्य पालन और ग्रामीण आजीविका शामिल हैं।बजट के बाद होने वाले वेबिनार में काजू, नारियल, चंदन, अगरवुड, बादाम, अखरोट और चीड़ जैसी फसलों की क्षमता को उजागर करके उच्च मूल्य वाली कृषि को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि इसमें कृषि के लिए एआई–संचालित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और भारत विस्तार द्वारा प्रदान किए गए अवसरों पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा। इसके अलावा, सत्रों में पशुपालन मूल्य शृंखला में निजी क्षेत्र के निवेश और उद्यमिता, मत्स्य पालन के लिए जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास, तटीय मत्स्य पालन मूल्य शृंखलाओं को मजबूत करने और स्वयं सहायता उद्यमी–ग्रामीण परिवर्तन के लिए विपणन मार्ग (एसएचई–मार्ट्स) के माध्यम से ग्रामीण महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा।केंद्रीय बजट 2026–27 में उच्च मूल्य वाली कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और प्रौद्योगिकी आधारित खेती पर विशेष जोर दिया गया है, जिसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण रोजगार सृजित करने और कृषि पद्धतियों का आधुनिकीकरण करने के लिए लक्षित हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने केंद्रीय बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1,62,671 करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की, जो 2025–26 के संशोधित अनुमान 1,51,853 रुपए से 7 प्रतिशत अधिक है।मंत्रालय का व्यय हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है, जो 2013–14 में लगभग 21,933.50 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025–26 के बजट अनुमानों में लगभग 1,51,853 करोड़ रुपए हो गया है, जो इस क्षेत्र को दिए जा रहे बढ़ते वित्तीय समर्थन को रेखांकित करता है। बजट 2026–27 का उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में नारियल, चंदन, कोको और काजू जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा देना है ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके। इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अगर के वृक्षों और देश के पहाड़ी क्षेत्रों में बादाम, अखरोट और चीड़ के मेवों को भी समर्थन दिया जाएगा।वित्त मंत्री ने कहा कि यह प्रस्ताव तीसरे कर्तव्य को प्राप्त करने के लिए बजट में उल्लिखित व्यापक रोडमैप का हिस्सा है, जिसके लिए उत्पादकता वृद्धि और उद्यमिता के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए लक्षित प्रयासों की आवश्यकता है।

संक्षिप्त खबरें

जुमे की नमाज से पहले श्रीनगर के लाल चौक इलाके में कड़े प्रतिबंध

श्रीनगर,(एजेंसी)। अमेरिका– इजरायल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद जम्मू–कश्मीर में जारी विरोध से यहां का माहौल काफी तनावपूर्ण बना हुआ है। खामेनेई की मौत को लेकर लोगों में गुस्सा है। इसी के विरोध में घाटी के कई इलाकों में पिछले दिनों प्रदर्शन भी देखने को मिले, जिसके बाद से सुरक्षा बल लगातार अलर्ट मोड पर हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि अब धीरे–धीरे हालात सामान्य होने लगे हैं, लेकिन एहतियात के तौर पर कई जगहों पर पाबंदियां अभी भी जारी हैं। घाटी के कई हिस्सों में प्रतिबंध लगाए गए ताकि किसी तरह की हिंसा या टकराव की स्थिति न बने। शुक्रवार की नमाज को देखते हुए प्रशासन ने श्रीनगर के मुख्य इलाके लाल चौक और आसपास के क्षेत्रों में कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जुमे की नमाज के बाद अक्सर भीड़ ज्यादा हो जाती है, इसलिए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक पूरे शहर में सुरक्षा और भी कड़ी की जाएगी। एहतियात के तौर पर लाल चौक की तरफ आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बिना जरूरी कारण किसी को भी उस इलाके में जाने या वहां से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 की लिखित परीक्षा और इंटरव्यू (पर्सनैलिटी टेस्ट) के आधार पर अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। आयोग ने मेरिट के आधार पर कुल 958 उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया है। इस बार अनुज अग्निहोत्री ने टॉप किया है। दूसरे स्थान पर राजेश्वरी सुवे एम हैं। वहीं, तीसरा स्थान अकांश ढुल ने हासिल किया है। लिखित परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित हुई थी, जबकि इंटरव्यू दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच लिए गए। आयोग ने बताया कि 348 उम्मीदवारों का चयन फिलहाल प्रोविजनल (अस्थायी) रखा गया है। इन उम्मीदवारों के दस्तावेजों और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं के सत्यापन के बाद ही उनके चयन को अंतिम रूप दिया जाएगा।वहीं, दो उम्मीदवारों का परिणाम फिलहाल रोक दिया गया है। आयोग ने इन उम्मीदवारों के परिणाम को कुछ कारणों से फिलहाल जारी नहीं किया है। उम्मीदवारों के अंक परिणाम घोषित होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर वेबसाइट पर जारी कर दिए जाएंगे।संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर की जाएगी।

मोहन भागवत का संदेश– विश्व का मार्गदर्शन करेगा भारत

जेटलपुर, (संवाददाता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर आगे बढ़ते हुए ऐसा भारत बनाने की दिशा में काम करना चाहिए, जो सृष्टि के कल्याण के लिए पूरे विश्व का मार्गदर्शन कर सके। संघ प्रमुख ने संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को कार्यकर्ताओं को

बधाई देते हुए कहा कि संगठन का कार्य समाज के सहयोग से आगे बढ़ता रहेगा और इस लक्ष्य को जल्द हासिल करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक परस्पर सहयोग और समर्पण की भावना के साथ लगातार मिलते रहेंगे और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

योगी के कानपुर दौरे से पहले पुलिस आयुक्त ने परखे सुरक्षा इंतजाम

कानपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कानपुर में छह मार्च को प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर गुरुवार को यहां पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने कार्यक्रम स्थल में सुरक्षा इंतजामो का जायजा लिया। योगी शुक्रवार को यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय, नवाबगंज में संघ परिवार के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) परिसर

स्थित हेलीपैड पर उतरेंगे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी हिस्सा लेंगे जिनका स्वागत भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी जाजमऊ पुल पर करेंगे। इस सिलसिले में पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने आज निरीक्षण के दौरान हेलीपैड परिसर, आगमन व प्रस्थान मार्ग, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, ड्यूटी प्वाइंट, सुरक्षा घेरा तथा भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा पुलिस आयुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, एंटी–सैबोटाज चेकिंग, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते की तैनाती सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा, अपर पुलिस उपायुक्त अभिसूचना, स्टाफ ऑफिसर तथा सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति ने गवर्नर सीवी आनंद बोस का इस्तीफा किया स्वीकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। साथ ही, केंद्र सरकार ने कई राज्यों में राज्यपालों और उपराज्यपालों की महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। ये बदलाव विभिन्न राज्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक संतुलन को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए हैं। राष्ट्रपति भवन से जारी अधिसूचना के अनुसार, ये नियुक्तियां प्रभावी होंगी जब संबंधित अधिकारी अपने पद का कार्यभार संभालेंगे।नई नियुक्तियों की सूची के अनुसार हिमाचल प्रदेश के वर्तमान राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं, नंद किशोर यादव को नागालैंड का नया

राज्यपाल नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी मिली। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को अतिरिक्त प्रभार में तमिलनाडु के राज्यपाल का कार्यभार सौंपा गया है।इसके अलावा, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। ये नियुक्तियां केंद्र सरकार की ओर से राज्यों में शासन व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही हैं। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में डॉ. सीवी आनंद बोस के इस्तीफे के बाद आरएन रवि की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। रवि पहले तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सरकार के साथ कई मुद्दों पर टकराव के लिए चर्चित रहे हैं।

राज सखी स्टोर और ग्रामीण महिला बीपीओ के तहत सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही सरकार

जयपुर, (संवाददाता)। राजस्थान सरकार महिला सशक्तीकरण और वित्तीय समावेशन के तहत महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार के महिला सशक्तीकरण और वित्तीय समावेशन की दिशा में की गई पहलों की वजह से प्रदेशभर में 16 लाख से अधिक महिलाएं श्लखपति दीदीश बन गई हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सहायता और रोजगार के मौके देने के लिए 100 करोड़ रुपये खर्च कर जिला स्तर पर ग्रामीण महिला बीपीओ स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना के तहत लोन की सीमा एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये कर दी गई है, जिससे महिला उद्यमिता को और प्रोत्साहन मिलेगा।महिलाओं को सशक्त बनाने

के लिए ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के माध्यम से कई इनोवेटिव पहलें लागू की जा रही हैं। इस वर्ष के बजट में राज्य सरकार की ओर से राजीविका के अंतर्गत गठित 100 क्लस्टर–स्तरीय संघों को कार्यालयों और अन्य उद्देश्यों के लिए भवन उपलब्ध कराए जाएंगे। इन कार्यालयों में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता के लिए सक्षम केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।स्वयं सहायता समूहों की ओर से बनाए गए उत्पादों की ब्रांडिंग, डिजाइन और पैकेजिंग में सुधार करके, डेयरी, वस्त्र, जूते, बाजरा और मसाले जैसे क्षेत्रों में 50 नए उद्यम विकसित किए जाएंगे। राज्य सरकार इन उत्पादों के मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समन्वय करेगी। राज्य सरकार महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रयासरत है।बता दें कि राजीविक संस्था से संबद्ध महिलाओं को उनकी उद्यमशीलता में सफलता दिलाने के लिए क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करने हेतु ।

तमिलनाडु के निजी स्कूलों में सियासी और धार्मिक कार्यक्रमों पर लगी रोक

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने निजी स्कूलों के कैंपस में राजनीतिक, वैचारिक या सामुदायिक गतिविधियों पर आधिकारिक रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि स्कूल कैंपस को केवल पढ़ाई के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 2 मार्च को एक सरकारी आदेश जारी किया। इसके तहत तमिलनाडु निजी स्कूल (रेगुलेशन) नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं। इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि स्कूल के संसाधनों का इस्तेमाल केवल छात्रों की भलाई और पढ़ाई के लिए हो।नए नियमों के अनुसार, स्कूल की किसी भी जगह का इस्तेमाल कोई बाहरी व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी। इसमें स्कूल की बिल्डिंग, खेल का मैदान और हॉल शामिल हैं। कोई भी संस्था यहां राजनीतिक मीटिंग, प्रचार या किसी खास विचारधारा से जुड़ा कार्यक्रम नहीं कर पाएगी। सरकार ने उन गतिविधियों को खास तौर पर निशाना बनाया है जिनसे धर्म, जाति या भाषा के आधार पर नफरत फैलने का खतरा हो। यह पाबंदी केवल स्कूल के समय तक सीमित नहीं है। यह

नियम स्कूल खत्म होने के बाद, शनिवार–रविवार, सरकारी छुट्टियों और सर्दियों या गर्मियों की छुट्टियों में भी लागू रहेगा। इससे छुट्टियों के दौरान होने वाले आयोजनों पर भी पूरी तरह रोक लग जाएगी।सूत्रों के अनुसार, यह बदलाव कुड्डालोर के एक निजी स्कूल, श्री सरस्वती विद्यालय से जुड़े विवाद के बाद हुआ है।

72 करोड की लागत से बनेगी हाईटेक अयोध्या कचहरी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार को अयोध्या के अनुरूप हाईटेक कचहरी बनाने का डीपीआर जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के नेतृत्व में भेजने के अंतिम चरण में है यह जानकारी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पंडित कालिका प्रसाद मिश्रा के साथ कचहरी भ्रमण में जिलाधिकारी ने दी है।लगभग 3000 अधिवक्ताओं के बैठने के सात मंजिला भवन पब्लिक चौंबर बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।जिसमें अधिवक्ताओं के

बैठने के चेंबर हाईटेक मीटिंग हॉल हाईटेक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एलोपैथिक एवं होम्योपैथिक आधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल स्टांप वेंडर के लिए ग्राउंड फ्लोर पर दुकान हाईटेक कैंटीन के साथ अत्यधिक सुविधायुक्त पश्चिम तरफ ए और पूरब तरफ बी ब्लॉक सात मंजिल की शानदार कचेहरी बनाने का खाका कुछ दिन पूर्व न्यायालय के मल्टी स्टोरी पार्किंग की तरफ से बने हुए मार्ग का उद्घाटन करने आए उत्तर प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश के हाईटेक कचहरी बनाने के निर्देश पर जिलाधिकारी अयोध्या ने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाईटेक कचेहरी बनाने की परिकल्पना को साकार करने को मूर्त रूप देने का काम किया है निर्माण में लगभग 72 करोड रुपए का व्यय आने का अनुमान है अयोध्या की हाईटेक कचहरी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी अयोध्या के प्रयास की अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष जनार्दन दुबे बब्बन प्रसाद चौबे बाबू अरविंद कुमार सिंह बाबू रंजीत बहादुर सिंह अधिवक्ता संघ के एल्डर कमेटी के सदस्य त्रिलोकी नाथ द्विवेदी ओंकार नाथ तिवारी विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ विजय शंकर पांडे सहित भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने आभार व्यक्त किया है

सिलेंडर गैस के दाम मे वृद्धि होने व सिलेंडर न मिलने पर उपभोक्ताओं के चेहरे पर दिखाई दिया केंद्र सरकार के प्रति आक्रोश

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।अमेरिका–ईरान युद्ध के बीच घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों मे ६60 की बढ़ोतरी की गई है ।कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में ६115 की वृद्धि हुई है ।गैस की कीमत बढ़ने से आम लोगों के किचन का बजट बिगड़ गया है ।गैस एजेंसी पर पहुंचे पुरुष और महिला ग्राहकों ने सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई ।उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले से महंगाई से परेशान गरीबों पर और बोझ डाला जा रहा है ।कई लोगों ने कहा कि रसोई चलाना अब और मुश्किल हो जाएगा ।गैस एजेंसी पर सर्वर डाउन होने से गैस बुकिंग भी नहीं हो पा रही है ।बुकिंग न होने के कारण कई ग्राहकों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है ।महंगाई और तकनीकी समस्या के कारण आम उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है। शनिवार को यहां तक कि जब गैस उपभोक्ता सिलेंडर लेने के लिए अपने–अपने संबंधित गैस एजेंसियों के पास पहुंचे तो वहां पर कर्मियों द्वारा यह बताया गया कि अभी सिलेंडर नहीं है जबकि कुछ गैस उपभोक्ताओं ने यह भी कहा कि शासन के ढुलमुल रही रवैया के चलते और अचानक घरेलू व कामर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में अत्यधिक बढ़ोतरी के चलते गैस एजेंटीयों ने अपने–अपने यहां सिलेंडरों को डंप कर लिया है और यहां तक की ब्लैक में भी सिलेंडर बेच रहे है। गैस उपभोक्ताओं का मानना है कि आने वाले वर्ष 2027 की विधानसभा चुनाव में इसका गंभीर परिणाम शासन को भुगतना पड़ेगा। शनिवार को गैस सिलेंडर उपभोक्ता कई एजेंसियों पर गैस सिलेंडर लाने के लिए गए लेकिन वहां पर उन्हें निराशा ही मिली ।जिसके चलते गैस उपभोक्ताओं के चेहरे पर केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ आक्रोश दिखाई दे रहा था ।सिलेंडर न मिलने के चलते जहां एक तरफ घरेलू रसोइयों में की महिलाएं आज केंद्र व राज्य सरकार को कोसती हुई दिखाई दी ।वहीं इसका असर कमर्शियल सिलेंडर न मिलने पर होटल,रेस्टोरेंट, ढाबा,कैंटीन सहित अन्य प्रमुख प्रतिष्ठानों पर भी दिखाई दिया ।शनिवार को घरेलू तथा कमर्शियल गैस उपभोक्ता जब अपने–अपने गैस एजेंसियो पर गए तो वहां पर सिलेंडर नहीं मिला और यह बताया गया कि सर्वर नहीं चल रहा है ।जबकि इन गैस उपभोक्ताओं का यह मानना है कि एजेंसी पर गैस सिलेंडर उपलब्ध है जबकि आने वाले दिनों में अत्यधिक दामों पर विक्रय करने के लिए इन सिलेंडरों को डंप किया गया है। परंतु अभी तक इससे संबंधित विभाग के अधिकारी ना तो किसी गैस एजेंसी पर जाने की जहमत उठाएं और ना ही यह बताने का प्रयास कर रहे हैं कि यह मात्र अफवाह है जिसके चलते गए उपभोक्ताओं में चिंता की लकीरें दिखाई दे रही है। इस संबंध में जब गैस एजेंटीयों के मलिक तथा कर्मियों से बात करना चाहा तो उनका फोन व्यस्त था और किसी पर काल गई तो उठाया नहीं वही जिला पूर्ति अधिकारी का मोबाइल स्विच ऑफ था।

संपादकीय

भारत की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी

एआई के नए टूल्स आने से ना सिर्फ भारतीय टेक क्षेत्र, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था पर आशंकाएं मंडरा रही हैं। गौरतलब है कि गुजरे तीन दशकों में भारत में टेक सेक्टर उपभोक्ता मध्य वर्ग निर्मित करने वाला प्रमुख कारोबार रहा है। जिस समय बड़ी टेक कंपनियों के शेयर भाव में गिरावट का सिलसिला थम नहीं रहा है, नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एवं सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की बैठक पर निगाहें टिकना लाजिमी है। दुनिया में तकनीक सेवादाता कंपनियों के शेयरों के भाव में गिरावट का सीधा कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए टूल्स का सामने आना है। खासकर अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने अपने क्लाउड ऐप पर ऐसी सेवाएं दी हैं, जिनसे राय बनी है कि वे वो काम करने में सक्षम हैं, जिनकी सेवाएं टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो आदि जैसी टेक कंपनियां देती रही हैं। इसलिए इस महीने ऐसी भारतीय कंपनियों के शेयरों के भाव रोजमर्रा के स्तर पर गिरे हैं। भारतीय टेक शेयरों में गिरावट का बड़ा कारण विदेशी निवेशकों का इनसे पैसा निकालना है। इस घटनाक्रम से ना सिर्फ भारत के टेक क्षेत्र, बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था पर आशंकाएं मंडरा रही हैं। भारत में टेक सेक्टर अर्थव्यवस्था का सिर्फ एक क्षेत्र भर नहीं है। बल्कि गुजरे तीन दशकों में यह उपभोक्ता मध्य वर्ग निर्मित करने वाला प्रमुख कारोबार रहा है। पिछले साल टेक कंपनियों में 58 लाख कर्मी कार्यरत थे। आयकर आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्थायी वेतन से होने वाली कुल आय में टेक कर्मियों का हिस्सा साढ़े 25 प्रतिशत से अधिक रहा। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की कुल तनख्वाह से यह हिस्सा सवा तीन गुना ज्यादा है। एआई से यह क्षेत्र सिकुड़ा, तो जाहिर है, उससे भारत की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। इसीलिए मंगलवार को हो रही नैसकॉम की बैठक को अहम माना गया है, जिसमें भारत में एआई को अपनाने की गति और उद्योगों पर उसका प्रभाव चर्चा का प्रमुख मुद्दा होंगे। भारतीय टेक कंपनियां आश्वासन देती रही हैं कि एआई के उपयोग से उनके कामकाज पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। उनके मुताबिक एआई दौर की जरूरतों के मुताबिक वे तेजी से खुद को ढाल रही हैं। मगर जिस तरह पिछले वर्ष टीसीएस जैसी कंपनियों ने कर्मचारियों की छंटनी की, उसके मद्देनजर ऐसे से आश्वासनों से ना तो बाजार का रुख बदला है, और ना ही सार्वजनिक चर्चाओं में अंदेशे घटे हैं। तो क्या आज की नैसकॉम की बैठक इस बारे में भरोसा बंधा पाएगी?

खो रहे होरी के पूर्वांचली रंग

उमेश च

रहन–सहन में अब भी पारंपरिक देसज गंध से भरा है पूर्वांचल का इलाका। पूर्वांचल यानी पूर्वी उत्तर प्रदेश, उससे सटा बिहार और झारखंड का इलाका। भारतीय नक्शे में इस इलाके में मोटे तौर पर भोजपुरी बोली जाती है। यह इलाका पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, वाराणसी और आजमगढ़ मंडल के साथ ही बिहार के सारण मंडल के साथ ही मोतीहारी, चंपारण, आरा, बक्सर, सासाराम तक फैला हुआ है। वाराणसी और सासाराम से सटा हुआ है झारखंड का पलामू इलाका। यहां भी भोजपुरिया संस्कृति के रंग बिखरे हुए हैं। अब भी यहां के रहन–सहन, बोली–बानी में देसज भोजपुरिया मिठास भरी हुई है। लेकिन आधुनिक आर्थिकी के साथ यहां भी कुछ बदलाव आए हैं। शादी–विवाह, मुंडन–जनेऊ और अंतिम संस्कार में परंपराओं का पालन तो होता है, लेकिन उन पर बाजार का रंग अब पहले की तुलना में कहीं गहरे छा गया है। यही हाल यहां के पारंपरिक त्योहारों पर भी दिखने लगा है। पूरे देश में होली, रंग और उल्लास का त्योहार है। बासंती बयार के बीच दस्तक देने वाले इस त्योहार के वक्त समूचा देश रंगों में डूबता रहा है। लेकिन महानगरीय असर में अब रंगों की चमक और उल्लास कहीं खोती हुई नजर आ रही है। हास्य और लास्य का भी त्योहार है होली, लेकिन अब पूर्वांचल में हास्य की जगह फूहड़ता ने ले ली है, लास्य की लय भी कहीं खो गई है। अब पूर्वांचल का शायद ही कोई गांव बचा हो, जहां पारंपरिक भोजपुरी रंग में फाग के राग सुनाई देते हों। कभी भंग के संग होली का रंग चढ़ता था, अब भांग की जगह आधुनिक अंगूर की बेटी ने ले ली है। चूंकि अंगूर की बेटी तक सबकी पहुंच नहीं, इसलिए सरकारी ठेके का पौव्वा आज की होली के उल्लास का सबसे बड़ा साथी नजर आ रहा है। पूर्वांचल में होली को फगुआ भी कहा जाता है। भोजपुरिया इलाके में आज से तीन दशक पहले तक लोग परदेस में नौकरी कर रहे लोग 'होली' की छुट्टी पर नहीं, 'फगुआ' की छुट्टी पर आते थे। जैसे ही खेतों में फसलें गोटाने लगती थीं, यानी उनके दानों का दूध गाढ़ा होकर अन्न का रूप लेने लगता था, बहरवांसु यानी बाहर कमाने गए लोगों के इंतजार की घड़ियां गिनी जाने लगती थीं। जब परदेसी कमासुत यानी कमेरा घर लौटता, घर ही नहीं, पूरे मोहल्ले में हर्ष की लहर दौड़ जाती थी। होली पर नवेली भौजाइयों को रंगने के लिए घेरने के उपाय सोचे जाने लगते, वहीं नवोढ़ा भाभियां भी देवरों पर आक्रमण का इंतजार करने लगतीं। देवर जी थोड़े भी लापरवाह हुए नहीं कि छपाक..और पूरा बदन भाभी के हाथों की मिठास भरे रंगों से सराबोर.. पूर्वांचल में फगुआ का त्योहार महाशिवरात्रि के बाद से छिटफुट शुरू हो जाता था। किंचित अब भी होता है। लेकिन अब पहले जैसी गाढ़ी चाहत अब नहीं रही। हर उम्र की भाभियां अपने–अपने देवरों को रंगने की जुगत में जुट जाती थीं, इसके लिए वक्त की परवाह नहीं होती थी। रात का भोजन करते वक्त हर उम्र के देवर भौजाइयों के सबसे ज्यादा शिकार बनते थे..इसलिए उन दिनों कई लोग बेहद सावधानी बरतते थे..हालांकि सावधानी अक्सर हट जाती थी और रंग रूपी दुर्घटना का हमला हो जाता था। होली के दिन पहले कच्चे बांस की खोखली नलियों से पिचकारी बनाई जाती थी। कोई–कोई ऐसा होता था, जिसके पास लोहे या पीतल की पिचकारी होती। अन्यथा ज्यादातर लोगों के पास बांस की पिचकारी होती, जिसका पंच किसी लकड़ी पर कपड़े लपेटकर बनाया जाता था। देसज बढ़ई इन पिचकारियों को तैयार करते थे। लेकिन अब ये पिचकारियां बीते दिनों की बात हो गई हैं। अब प्लास्टिक ने घर–घर जगह बना ली है। पूर्वांचल में सवर्ण मोहल्लों की होली और दलित या मजदूर मोहल्लों की होली में किंचित अंतर होता था। दलित या मजदूर मोहल्ले से होली के मौसम में अच्छे–भले लोग गुजरने से परहेज करते थे। कारण यह कि कब ठाकुर साहब या पंडिजी की चमकती धोती पर गोबर या नाले का कीचड़ छपाक से आ गिरे, कोई गारंटी नहीं। इसका बुरा कोई–कोई ही मानता था। आज ऊंच–नीच की बातें बहुत होती हैं। लेकिन तीन दशक पहले तक कम से कम होली में जमींदार हो या पुरोहित या बड़े ठाठ वाले ठाकुर साहब, दलित या कमेरी बस्तियों की ओर काम से भी गुजरने से परहेज करते थे, क्योंकि गोबर, कीचड़, कूड़ा कुछ भी उनके स्वागत में उन पर बरस सकता था। ज्यादातर ये हमले उन मोहल्लों की महिलाएं ही करतीं। फगुआ के दिन पूर्वांचल में सुबह हर मोहल्ले में रंग–पानी की होली होती। हर दरवाजे पर झंड बनाकर पहुंचते, एक–दूसरे को रंग लगाते और पुए खाते हुए दूसरे दरवाजे का रूख करते। इस दौरान शौकीन लोगों को भंग की ठंडाई भी मिलती, हालांकि तब भी भांग खाने या उसकी ठंडाई पीने वालों की संख्या बहुत कम होती। दलित और कमेरा बस्तियों में रंग और पानी के साथ गोबर और कीचड़ भी जुड़ जाता। जिस समय दरवाजे के बाहर होली का रंग बरस रहा होता या कीचड़ की बौछार हो रही होती, उस समय घरों में अपने–अपने इष्ट देवताओं और कुल देवताओं की पूजा हो रही होती है।

अमेरिका और इजराइल के साथ कौन–से देश खड़े हैं, तटस्थ रुख वाले देशों के नाम हैं

नीरज

मध्य–पूर्व में भड़का ईरान का युद्ध अब केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की राजनीति को झकझोर देने वाला संकट बन चुका है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद वैश्विक राजनीति स्पष्ट रूप से तीन खेमों में बंटती दिखाई दे रही है। एक ओर वे देश हैं जो ईरान के साथ खड़े हैं, दूसरी ओर वे देश हैं जो अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को समर्थन दे रहे हैं, जबकि तीसरा समूह उन देशों का है जो खुलकर किसी पक्ष में नहीं आ रहे और खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे पहले उन देशों की बात करें जो ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम रूस और चीन का है। इन दोनों देशों ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है और इसे क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाला कदम कहा है। रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के साथ टकराव की स्थिति में है, इसलिए उसने ईरान के खिलाफ हमले की तीखी आलोचना की है और कूटनीतिक समर्थन दिया है। चीन ने भी संयम बरतने की अपील करते हुए यह स्पष्ट किया है कि क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं बल्कि बातचीत से होना चाहिए। इन महाशक्तियों के अलावा उत्तर कोरिया और वेनेजुएला जैसे देश भी ईरान के समर्थन में खड़े दिखाई देते हैं। इसके साथ ही मध्य–पूर्व में कई ऐसे संगठन हैं जो ईरान के रणनीतिक सहयोगी माने जाते हैं, जैसे लेबनान का हिज्बुल्लाह और यमन के हूती विद्रोही। ये समूह लंबे समय से अमेरिका और इजराइल के प्रभाव का विरोध करते रहे हैं और इस संघर्ष में भी ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे समूह को अक्सर "प्रतिरोध धुरी" कहा जाता है, जो पश्चिमी प्रभाव को चुनौती देने की कोशिश करता है। अब दूसरे खेमे की बात करें, जो अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा है। इस युद्ध के सबसे बड़े पक्षकार स्वयं अमेरिका और इजराइल हैं। इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताता रहा है, जबकि अमेरिका ने अपने सहयोगी की सुरक्षा का हवाला देकर सैन्य अभियान में भाग लिया है। इनके अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी क्षेत्र के कुछ देश भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रणनीति के करीब दिखाई देते हैं। बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं और ये देश लंबे समय से ईरान को क्षेत्रीय खतरे के रूप में देखते रहे हैं। ईरान युद्ध के मुद्दे पर पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो का रुख भी दिलचस्प है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे ईरान की परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को कमजोर करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि नाटो प्रमुख ने यह भी साफ किया कि नाटो स्वयं इस युद्ध में शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो एक संगठन के रूप में इस संघर्ष में नहीं उतरेगा, लेकिन उसके कुछ सदस्य देश अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अपने स्तर पर समर्थन दे सकते हैं। यह बयान इस बात का संकेत देता है कि पश्चिमी गठबंधन के भीतर भी युद्ध को लेकर पूरी तरह एकमत स्थिति नहीं है। तीसरा समूह उन देशों का है जो खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इस समूह में भारत, कई यूरोपीय देश, ब्रिटेन, कतर, ओमान और कॉकस क्षेत्र के कुछ देश शामिल हैं। इन देशों ने सीधे किसी पक्ष का समर्थन करने की बजाय युद्ध को रोकने और कूटनीतिक समाधान की अपील की है। भारत जैसे देश ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों को ध्यान में रखते हुए सावधानी से कदम उठा रहे हैं। वहीं कतर और ओमान जैसे देश मध्यस्थता की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच संवाद कराने में सक्रिय रहे हैं। इस पूरे संकट के बीच अमेरिका की भूमिका को लेकर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका जिस तरह से सैन्य कार्रवाई कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय नियमों और संस्थाओं की अनदेखी को दर्शाता है। उदाहरण के

तौर पर हिंद महासागर में ईरानी पोत को मार गिराने की घटना ने यह संकेत दिया कि यह संघर्ष केवल मध्य–पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक समुद्री मार्गों तक फैल सकता है। इसके अलावा जब स्पेन ने अपने एयरबेस के इस्तेमाल की अनुमति देने से इंकार किया तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उसकी आलोचना कर दी। दूसरी ओर ब्रिटेन ने अपने सैन्य अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति तो दी, लेकिन कई शर्तों के साथ, जिससे ट्रंप स्पष्ट रूप से संतुष्ट नहीं दिखाई देते। इससे यह भी संकेत मिलता है कि अमेरिका अपने सहयोगियों से लगभग बिना शर्त समर्थन की उम्मीद कर रहा है लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है। विडंबना यह है कि ट्रंप एक तरफ यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को रुकवाया है और इसलिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। उन्होंने गाजा के लिए "बोर्ड ऑफ पीस" जैसी पहल भी की। लेकिन दूसरी ओर ईरान के खिलाफ युद्ध को जिस तरह आगे बढ़ाया गया है, उसने पूरी दुनिया को अस्थिरता और युद्ध की आशंका से भर दिया है। आलोचकों का कहना है कि शांति की बात करने के साथ–साथ युद्ध की आग को भड़काना गहरे राजनीतिक विरोधाभास को दर्शाता है। इसके अलावा, इस युद्ध ने विश्व राजनीति में गहरे बदलाव पैदा कर दिए हैं। सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि दुनिया फिर से बड़े शक्ति–गठबंधनों में बंटती दिखाई दे रही है। अमेरिका और उसके सहयोगी एक तरफ हैं, जबकि रूस और चीन जैसे देश दूसरी ओर खड़े दिखाई देते हैं। यह स्थिति एक नई महाशक्ति प्रतिस्पर्धा की ओर इशारा करती है। दूसरा बड़ा परिवर्तन मध्य–पूर्व की राजनीति में देखने को मिल रहा है। कई अरब देशों और इजराइल के बीच सुरक्षा सहयोग तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि वे ईरान को अपने लिए बड़ा खतरा मानते हैं। इससे क्षेत्र में नए सैन्य और राजनीतिक गठबंधन बन रहे हैं। तीसरा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ईरान दुनिया के बड़े तेल उत्पादकों में से एक है और फारस की खाड़ी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। युद्ध के कारण तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। बहरहाल, ईरान का यह युद्ध केवल मिसाइलों और बमों का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति–संतुलन की लड़ाई भी बन चुका है। आने वाले समय में यह संघर्ष तय करेगा कि विश्व राजनीति का नया नक्शा कैसा होगा और किस शक्ति का प्रभाव कितना बढ़ेगा।

खामेनेई की विरासत पर सवाल बरकरार

असद

1939 में मशहद में जन्मे, आयतुल्लाहखामेनेई 1979 की इस्लामिक क्रांति में एक अहम व्यक्ति थे और 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। एक धर्मशास्त्री होने के नाते, उन्हें पश्चिम, खासकर अमेरिका और इजराइल के प्रति उनकी गहरी दुश्मनी और उनके पहले के आयतुल्लाहखोमैनी द्वारा बनाए गए धर्माधारित शासन प्रणाली के प्रति उनकी पक्की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। आयतुल्लाह अली खामेनेई (1939–2026), ईरान के दूसरे सर्वोच्च नेता, 28 फरवरी, 2026 को तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हवाई हमले के दौरान मारे गए थे। अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुरुआती घोषणा के बाद, 1 मार्च, 2026 को ईरानी सरकारी मीडिया ने उनकी मौत की पुष्टि की। खामेनेई को उनके कार्यालय में श्ऑपरेशन एपिकफ्यूरीश नाम के एक संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मार दिया गया था। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर और रक्षा मंत्री समेत कई दूसरे बड़े अधिकारी भी मारे गए थे।ईरान ने 40 दिन का राजकीय शोक और सात सार्वजनिक छुट्टियां घोषित किए हैं। आयतुल्लाह अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं है। ईरानी संविधान के तहत, राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रमुख और गार्डियन काउंसिल के एक सदस्य वाली एक काउंसिल कुछ समय के लिए नेतृत्व की जिध्म्मेदारी संभालेगी।आयतुल्लाह अली खामेनेई ने 1989 से 2026 तक, 36 साल से ज्यादा समय तक इस्लामिक रिपब्लिक ऑ+फ ईरान के सर्वोच्च नेता के तौर पर काम किया, जिससे वे मध्य पूर्व में किसी भी देश के सबसे लंबे समय तक रहने वाले प्रमुख बन गए। 1939 में मशहद में जन्मे, आयतुल्लाहखामेनेई 1979 की इस्लामिक क्रांति में एक अहम व्यक्ति थे और 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। एक धर्मशास्त्री होने के नाते, उन्हें पश्चिम, खासकर अमेरिका और इजराइल के प्रति उनकी गहरी दुश्मनी और उनके पहले के आयतुल्लाहखोमैनी द्वारा बनाए गए धर्माधारित शासन प्रणाली के प्रति उनकी पक्की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था।आयतुल्लाह अली खामेनेई के 36 साल के राज ने ईरान को एक ताकतवर अमेरिका–विरोधी शक्ति ताकत बना दिया, जिसने मध्यपूर्वमें अपना सैन्य दबदबा फैलाया, और साथ ही देश में बार–बार होने वाली अशांति को दबाने के लिए सख्ती का इस्तेमाल किया। शुरू में खामेनेई को कमजोर और फैसला न कर पाने वाला कहकर खारिज कर दिया गया था, लेकिन करिश्माई आयतुल्लाह होल्लाहखोमैनी, जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑ+फ ईरान की स्थापना की थी, की मौत के बाद सर्वोच्च नेता के लिए उनका चुनाव एक मुश्किल विकल्प लग रहा था। लेकिन देश के शक्ति ढांचे के शीर्ष पर खामेनेई के पहुंचने से उन्हें देश के मामलों पर मजबूत पकड़ मिली।खामेनेई ने लंबे समय तक इस बात से इनकार किया कि ईरान का नाभिकीय कार्यक्रम परमाणु हथियार बनाने के मकसद से था, जैसा कि पश्चिम का कहना था। 2015 में उन्होंने दुनिया की ताकतों और व्यावहारिक राष्ट्रपति हसन रूहानी की सरकार के बीच एक नाभिकीय समझौते का सावधानी से समर्थन किया, जिसने प्रतिबंध में राहत के बदले देश के नाभिकीय कार्यक्रम पर रोक लगा दी। मुश्किल से हुए इस समझौते के नतीजे के तौर पर ईरान का आर्थिक और राजनीतिक अलगाव कुछ हद तक कम हुआ। अमेरिका के लिए खामेनेई की दुश्मनी कम नहीं हुई। 2018 में यह और बढ़ गई जब ट्रंप की पहली सरकार ने नाभिकीय समझौते से नाम वापस ले लिया और ईरान की तेल और शिपिंग उद्योग को रोकने के लिए फिर से प्रतिबंधलगा दिए। आयतुल्लाह ने अपने पूरे राज में वॉशिंगटन की बुराई की, और वह 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद भी तीखे हमले करते रहे। अमेरिका के नाभिकीयबातचीत से हटने के बाद, खामेनेई ने उन कट्टर समर्थकों का साथ दिया जिन्होंने रूहानी की पश्चिम के प्रति तुष्टीकरण की नीति की बुराई की थी। जब ट्रंप ने ईरान पर 2025 में एक नयेनाभिकीय समझौते के लिए दबाव डाला, तो खामेनेई ने श्अमेरिका के असभ्य और घमंडी नेताओंश की बुराई की। उन्होंने पूछा, श्आप कौन होते हैं यह तय करने वाले कि ईरान को रेडियोधर्मी तत्वों का परिष्करण करना चाहिए या नहीं? श खामेनेई अक्सर अपने भाषणों में श्महान शैतानश की बुराई करते थे, उन कट्टरपंथियों को भरोसा दिलाते थे जिनके लिए अमेरिका विरोधी भावना 1979 की क्रांति के केंद्र में थी, जिसने ईरान के आखिरी शाह को देश निकाला दे दिया था। अली खामेनेई का जन्म अप्रैल 1939 में नॉर्थ–ईस्ट ईरान के मशहद में हुआ था। 11 साल की उम्र में मौलवी बनने पर उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता सा+फ थी। उन्होंने इराक और ईरान की धार्मिक राजधानी +कोम में पढ़ाई की। उनके पिता, जो अजेरी मूल के धार्मिक विद्वान थे, एक पारंपरिक मौलवी थे जो धर्म और राजनीति को मिलाने के खिला+फ थे। इसके उलट, उनके बेटे ने इस्लामी क्रांतिकारी मकसद को अपनाया। 1963 में, खामेनेई ने जेल में कई सजाओं में से पहली सजा काटी, जब 24 साल की उम्र में उन्हें राजनीतिक गतिविधियों के लिए हिरासत में लिया गया था। उनकी आधिकारिक जीवनी के मुताबिक, उसी साल बाद में उन्हें मशहद में 10 दिनों के लिए कैद किया गया, जहां उन्हें बहुत ज़्यादा शारीरिक प्रताडना सहनी पड़ी। शाह के गिरने के बाद, खामेनेई ने इस्लामिक रिपब्लिक में कई पद संभाले। उप रक्षा मंत्री के तौर पर, वह मिलिटरी के करीब हो गए और पड़ोसी देश इराक के साथ 1980–88 के युद्ध में

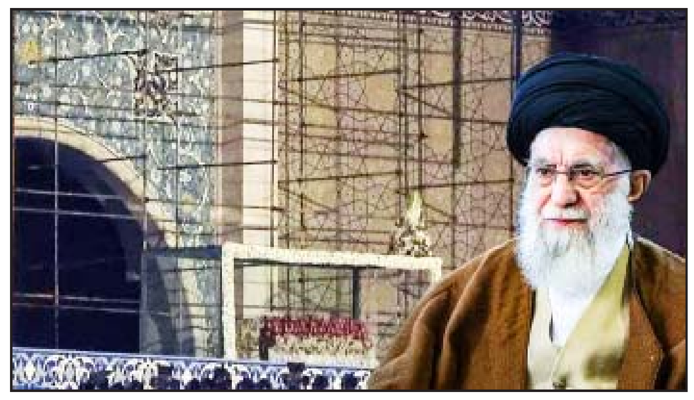

एक अहम किरदार थे, जिसमें अंदाजन कुल दस लाख लोगों की जानें गई थीं। एक अच्छे वक्ता होने के नाते, उन्हें खोमैनी ने तेहरान में शुक्रवार की नमाज के लीडर के तौर पर नियुक्त किया था। उनकी इतनी तेजी से, पहले कभी नहीं हुई तरक्की पर सवाल थे। उन्होंने खोमैनी के समर्थन से राष्ट्रपति का पद जीता – इस पोस्ट पर पहले मौलवी – और खोमैनी के वारिस के तौर पर उनका चुना जाना एक आश्चर्यजनक पसंद थी, यह देखते हुए कि उनमें खोमैनी जैसी लोकप्रिय प्रभावशालिताऔर बेहतर मौलवी काबिलियत, दोनों की कमी थी। ताकतवर गार्ड्स के साथ उनके रिश्ते 2009 में काम आए। उस साल, राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के दोबारा चुनाव जीतने के बाद, जब विपक्ष ने वोट में धोखाधड़ी के आरोप लगाए, तो सशस्त्र बलों ने विरोध प्रदर्शनों को कुचल दिया। उन्होंने सेताद के जरिए एक बड़े आर्थिक जागीर को भी चलाया, जो एक ऐसा संगठन था जिसे खोमैनी ने शुरू किया था, लेकिन के खामेनेई के राज में यह बहुत बढ़ गया था, और जिनके पास अरबों डॉलर की संपत्ति थी। खामेनेई ने इस इलाके में ईरानी असर बढ़ाया, इराक और लेबनान में शिया मिलिशिया को ताकत दी, और सीरिया में हजारों सैनिक भेजकर उस समय के राष्ट्रपति बशरअल–असद को सहारा दिया। उन्होंने मध्यपूर्वमें इजराइली और अमेरीकीताकत का विरोध करने के लिए इन साथियों – श्एक्सिस ऑफरेजिस्टेंसश पर चार दशकों में अरबों खर्च किए, जिसमें हमास, +फिलिस्तीनी इस्लामी ग्रुप, और यमन के हूथी भी शामिल थे। लेकिन 2024 में खामेनेई ने इन साथियों को टूटते और ईरान के इलाके में असर को कम होते देखा, जिसमें असद को हटाना और इजराइल द्वारा लेबनान में हिज्बुल्लाह और गाजा में हमास को कई बार हराना शामिल था, जिसमें उनके नेताओं की हत्या भी शामिल थी।

भारत की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला

अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, आने वाले वक्त में भारत और चीन जैसी शक्तियां भी अमेरिका के निशाने पर होंगी और उनकी यह बात बुधवार को सच साबित होती दिखी। बुधवार 4 मार्च को अमेरिका ने हिंद महासागर के भारतीय क्षेत्र में ईरान का एक युद्धपोत टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया। ईरान के इस युद्धपोत ने हाल ही में भारत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया था और इसी के बाद वापस लौट रहा था। इस सैन्य अभ्यास को इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू–2026 कहा गया, इसकी मेजबानी भारत ने की थी और खुद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय और ईरानी नौसैनिकों ने एक साथ परेड की थी। लेकिन भारत की संप्रभुता को बड़ी चोट पहुंचाते हुए अमेरिका ने हमला किया और इसमें सफलता का दावा भी किया।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि हिंद महासागर में ईरान का एक युद्धपोत अमेरिका ने टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया है। हालांकि, हेगसेथ ने उस ईरानी जहाज का नाम नहीं बताया जिसे डुबोया गया है, जबकि श्रीलंकाई नौसेना ने बताया था कि श्आईआरआईएस डेनाश हिंद महासागर में डूब गया है, जिसमें सवार कुल 180 में से लगभग 140 लोग लापता हैं। श्रीलंकाई सरकार ने यह भी कहा कि ईरानी युद्धपोत डेना की ओर से उनके पास एक डिस्ट्रेस कॉल (आपातकालीन संदेश) मिला जिसमें सहायता मांगी गई थी। लेकिन अमेरिका और श्रीलंका की बातों के उलट मोदी सरकार ने पहले इस दावे को भ्रामक बताया। पीआईबी की फैक्ट चेक टीम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि, श्एक अमेरिका बेस्ड चौनल में अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी कर्नल डगलस मैक्ग्रेगर ने कहा कि अमेरिका भारतीय नौसैनिक अड्डे का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए कर रहा है ये दावा बिलकुल +गलत है।श लेकिन सच क्या है ये अब पूरी दुनिया के सामने है।प्रधानमंत्री मोदी इस गंभीर संकट के वक्त भी चुप्पी बरते हुए हैं और सरकार हमले की सीधी निंदा करने की जगह गोल–मोल बातें कर रही है, यह बड़ी चिंता की बात है। क्योंकि अब तक सरकार ने विदेश नीति को पलटने का काम किया था, लेकिन अब तो अतिथि देवो भव के सामान्य शिष्टाचार को निभाने की जहमत भी नहीं उठा रही। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर नरेन्द्र मोदी अमेरिका और इजरायल से इतना डर क्यों रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने मोदी सरकार को सही सलाह दी है कि, श्अगर हमने ईरानी जहाज को अपने श्मिलनश अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया होता, तो वह वहां मौजूद नहीं होता। हम इस अभ्यास के मेजबान थे। इस अभ्यास के प्रोटोकॉल के मुताबिक जहाज किसी भी तरह का गोला–बारूद नहीं ले जा सकते। यानी ईरान का वो जहाज निहत्था था। अमेरिकी पनडुब्बी का हमला पहले से सोचा–समझा था, क्योंकि अमेरिका को इस बात की जानकारी थी कि ईरानी जहाज इस अभ्यास में शामिल है। उन्होंने कहा कि भले ही भारत अमेरिका के इस हमले के लिए राजनीतिक या सैन्य रूप से जिम्मेदार ना हो लेकिन भारत की जिम्मेदारी नैतिक और मानवीय स्तर पर है। अफसोस यही है कि सरकार इस मूलभूत जिम्मेदारी को निभाने से भी बच रही है।यह देखकर अफसोस होता है कि नेहरू जी के गुट निरपेक्ष आंदोलन से लेकर इंदिरा गांधी के बांग्लादेश निर्माण तक भारत ने हमेशा वैश्विक राजनीति में मजबूती का परिचय दिया। कभी किसी महाशक्ति के दबाव में नहीं झुका। इसी परंपरा को आगे सभी प्रधानमंत्रियों ने निभाया, चाहे वे किसी भी दल के हों, हमने अमेरिका के सामने समर्पण नहीं किया। 2013 का देवयानी खोबरागड़े मामला यहां याद आता है, जब मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिकी राजनयिकों की सुविधाएं छीनकर श्जैसे को तैसाश जवाब दिया था। लेकिन अब आईआरआईएस डेना पर हमले के बाद मोदी सरकार की श्रणनीतिक चुप्पीश ने भारत की साख खतरे में डाल दी है। अमेरिका की इस मनमानी पर चुप रहना एक तरफ अतिथि देवो भव के हमारे संस्कारों का अपमान है और दूसरी तरफ अपनी संप्रभुता की परवाह न करना भी दिखाता है।गौरतलब है कि 10 साल पहले फरवरी 2016 में नरेन्द्र मोदी ने एक पोस्ट में बताया था कि हिंद महासागर क्षेत्र मेरी प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है। इसी तरह का बयान पिछले साल नौसेना प्रमुख ने दिया था कि हिंद महासागर का नाम हमारे नाम पर रखा गया है, अगर हम इसका ख्याल नहीं रखेंगे तो कौन रखेगा। तो अब सवाल है कि नरेन्द्र मोदी की नजर में ऐसे बयानों का कोई अर्थ अब है भी या नहीं। खुद को हिंद महासागर का असली रक्षक कहने वाले भारत की श्चुप्पीश क्या उसी कूटनीतिक दबाव और समझौतापरस्त होने का संकेत है, जिस पर राहुल गांधी कहते हैं कि पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड। भारत के लिए यही श्रेयस्कर है कि अपने क्षेत्र में होने वाली ऐसी हिंसक घटनाओं पर वह मूकदर्शक बनकर नहीं रहे। हमें अपनी स्वायत्तता और मेहमान की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना होगा।हिन्द महासागर में आईआरएस–डेना के डूबने की घटना को श्युद्ध की कार्रवाईश कहकर टाल देना भारत के लिए रणनीतिक भूल होगी। अगर आज भारत अमेरिका की इस नापाक हरकत पर चुप रहा तो भविष्य में इसका बड़ा खामियाजा देश भुगतेगा। क्योंकि दुनिया में संदेश यही जाएगा कि अमेरिका के निशाने पर ईरानी युद्धपोत था, लेकिन उसका असली उद्देश्य भारत को श्अपमानितश करना था।

शिकायती प्रार्थना पत्रों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए : डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 07 मार्च जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में तहसील शाहगंज के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शिकायती प्रार्थना पत्रों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। अंगद प्रसाद यादव निवासी ग्राम सुल्तानपुर पोस्ट रसूलपुर शाहगंज निवासी द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना–पत्र के माध्यम से पैमाइश कराने हेतु अनुरोध किया गया जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित कानूनगो और लेखपाल को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। रमेश चंद्र उपाध्याय निवासी ग्राम कोकना पिलकिछा द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि उनके मुख्य प्रवेश द्वार के सामने विपक्षीगण के द्वारा तीन फीट ऊंची दीवार खडी कर आवागमन को अवरूद्व कर दिया गया है। जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सीओ चकबन्दी और अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि शीघ्र अति शीघ्र समस्या का निस्तारण करें। अवधेश कुमार यादव निवासी ग्राम शहाबुददीनपुर (गोवरहा) परगना अंगुली द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से पुनः पैमाइश कराने के साथ ही पत्थरगडडी उखाडने के विरुद्ध कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को स्थलीय जांच कराकर प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी के समक्ष निवासी महमूदपुर सरपतहा के बनवारी लाल के द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनका पुत्र दिव्यांग है उनके द्वारा पेंशन तथा ट्राईसाइकिल दिलाने हेतु अनुरोध किया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को दिव्यांग की पात्रता का सत्यापन कराते हुए आवश्यक कार्यवाही करने, के निर्देश दिए, जिससे दिव्यांग फरियादी को शासन की विभिन्न योजनाओं से आच्छादित किया जा सके। इसी प्रकार जिलाधिकारी के समक्ष राजस्व विभाग, भूमि विवाद, पथरगड्डी, पेंशन आदि से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसपर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए ससमय निस्तारण करने के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष 57 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, मौके पर 09 शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शाहगंज, क्षेत्राधिकारी, जिला विकास अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। तहसील सदर अंतर्गत कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया तथा लोगों की शिकायतों को सुना गया तथा त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

5000 विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क शिक्षण व खेल–कूद सामग्री वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय शाहपुरसानी में 5000 विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क शिक्षण एवं खेल–कूद सामग्री वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद एवं अभिनेता मनोज तिवारी, कार्यक्रम अध्यक्षधविशिष्ट अतिथि पूर्व गृहराज्य मंत्री महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह, विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह सहित अन्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि जनपद में आकर उन्हे हर्ष की अनूभति हो रही है क्योंकि इसी पावन धरती पर उन्हें नई पहचान मिली थी। कार्यक्रम में बच्चों की बड़ी संख्या में उपस्थिति देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यही बच्चे देश का भविष्य हैं जितने अधिक बच्चे शिक्षित होंगे, आने वाला समाज उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने प्रत्येक बच्चे को आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दिया तथा पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। विशिष्ट अतिथि पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कार्यक्रम के भव्य आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनपद प्रतिभाओं से भरा हुआ है। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में चयनित युवाओं और उनके अभिभावको और गुरूजनो को बधाई दी। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्रीजी एवं मुख्यमंत्रीजी की मंशा है कि ऐसे पुरातन छात्र जिन्होने प्राथमिक विद्यालयों से अपनी पढाई पूर्ण की है और उच्च पदो पर सुशोभित कर रहे है वे अपने विद्यालयों मे जाकर अपने अनुभवों से अध्ययनरत छात्रों को अभिसिंचित कर विधायक रमेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं। शासन के द्वारा बच्चों को बैग, जूता, मोजा, भोजन आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में सामुदायिक सहभागिता और कम्पोजिट विद्यालय शाहपुरसानी के पुरातन छात्र रहे सतीश तिवारी द्वारा 5000 विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क शिक्षण एवं खेल–कूद सामग्री वितरण का यह कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र बदलापुर में कराए गए विकास कार्यों की भी विस्तार से जानकारी दी तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी के कुशल नेतृत्व में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कविता के माध्यम से उपस्थित बच्चों और लोगो को वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने में अपने अपने योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और खेल के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे आगे चलकर समाज और देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण सामग्री तथा खेल–कूद से जुड़ी आवश्यक वस्तुएँ वितरित की गईं इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ब्रजेश यादव, रोहित उपाध्याय, खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद पांडेय, अभिनव तिवारी, अवधेश यादव, मंडल अध्यक्ष शनि शुक्ला, सिध्दार्थ सिंह, बबलू चौहान, लवकुश सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षकगण और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों के प्रति आभार बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ द्वारा व्यक्त किया गया।

संक्षिप्त खबरें

टक्कर लगने से पलटी कार, दंपती व दो बच्चे घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रयागराज मार्ग पर फुलवरिया मोड़ के पास मंगलवार दोपहर कार में पीछे से टक्कर लगने से कार डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए पलट गई। हादसे में कार में सवार दंपती और उनके दो बच्चे घायल हो गए और गाड़ी के अंदर फंस गए। लोगों ने किसी तरह सभी को कार से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज बृजेश त्रिपाठी के मुताबिक सेना में कार्यरत कर्नल सुबेक सिंह निवासी सिलेक्शन सेंटर ईस्ट प्रयागराज कार से पत्नी संदीप कौर, बेटा फतेह वीर और बेटी हरनाथ के साथ लखनऊ से प्रयागराज की ओर जा रहे थे। फुलवरिया मोड़ के पास पीछे से उनकी कार में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर हो गई। टक्कर से सुबेक सिंह की कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए पलट गई। हादसा देख लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने किसी तरह चारों घायलों को कार के अंदर से निकाला। मोहनलालगंज पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ राहगीरों का कहना है कि कार में ट्रक की टक्कर हुई थी। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज ने बताया कि हादसे के संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

केजीएमयू में खाली कराई मजार के पास फिर अतिक्रमण

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में नेत्र रोग विभाग के पीछे स्थित मजार के आसपास फिर से अतिक्रमण होने लगा है। केजीएयमू प्रशासन ने इस मामले में चौक कोतवाली को पत्र भेजकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। कार्यवाहक प्रॉक्टर प्रो. रीमा कुमारी की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि केजीएमयू प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस और प्रशासन की मदद से पिछले साल यह अतिक्रमण हटाया था। पांच मार्च को यहां कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने कब्जा करने की नीयत से मजार के चारों ओर बांस–बल्लियों से अवैध रूप से बैरिकेडिंग कर दी है, जो न्यायालय के आदेश के प्रतिकूल है।

होटल पर रोटी बनाते समय कारीगर ने थूका, गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पारा के बुद्धेश्वर चौराहे पर स्थित मुरादाबादी बिरयानी की दुकान में रोटी बनाते वक्त उसमें थूकने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पारा पुलिस ने रोटी बनाने वाले कारीगर अनस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। चौकी इंचार्ज बुद्धेश्वर दरोगा विनय पटेल के मुताबिक दो मार्च को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ। इसमें दुकान पर काम करने वाला युवक रोटी बनाते वक्त उसमें थूकते दिखाई पड़ा। वीडियो को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच की तो पता चला कि वीडियो बुद्धेश्वर चौराहे पर स्थित मुरादाबादी बिरयानी की दुकान का है। वीडियो में दिख रहा युवक दुकान का कारीगर बाराबंकी कोठी भानमऊ निवासी अनस है। जांच के बाद दरोगा विनय पटेल में आरोपी अनस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की।

एक क्लिक पर मिलेगी यूपी के पर्यटन स्थलों की जानकारी, ईको टूरिज्म बोर्ड ने लॉन्च किया एप

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में प्रकृति प्रेमियों और पर्यटन के शौकीनों के लिए ईको टूरिज्म स्थलों की जानकारी, बुकिंग और जरूरी सूचनाएं बस एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। इसके लिए उप्र ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने यूपी ईको टूरिज्म मोबाइल एप लॉन्च किया है। इसमें प्रदेश के वन्य जीव अभयारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों, जंगल ट्रेल्स, झरनों और नदियों जैसे प्राकृतिक आकर्षणों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समेटते हुए पर्यटकों को विशेष अनुभव देगा। यह पहल पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ने के साथ–साथ स्थानीय समुदायों की भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण को भी नई दिशा देगी। एप में स्वाइप आधारित नेविगेशन सुविधा दी गई है। इससे अपने पसंदीदा स्थल को सेव कर सकते हैं या अगले विकल्प को देख सकते हैं। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस एप में फोटो और कहानियां भी अपलोड कर सकते हैं।

सगे भाइयों को गोली मारने वाले आरोपी का हाफ एनकाउंटर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में पुलिस ने गोलीकांड के मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामला कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के जनऊपुर गांव का है। गांव में बृहस्पतिवार को बच्चों के विवाद में कई राउंड फायरिंग हुई। गोली लगने से सगे भाई घायल हो गए। इनमें मोहित सोनकर की मौत हो गई। जबकि, उनके भाई मंगल सोनकर का इलाज लखनऊ में चल रहा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक सोनकर को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद पिस्टल बरामदगी के लिए पुलिस आरोपी को लेकर गांव पहुंची थी। यहां छप्पर में रखी पिस्टल निकालकर आरोपी ने भागने की कोशिश में पुलिस टीम पर फायरिंग झोंक दी।

संक्षिप्त खबरें

13 को नगर निगम सदन की बैठक, सीवर, सफाई और पार्षद कोटा पर हंगामे के आसार

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम सदन की बैठक 13 मार्च को होने जा रही है। इसमें सीवर, सफाई और पार्षद कोटे जैसे मुद्दों पर विपक्ष और सत्तापक्ष के पार्षदों द्वारा अफसरों को घेरने के पूरे आसार हैं। सदन में नए वित्तीय वर्ष का मूल बजट भी पास किया जाएगा। पिछले वर्ष का बजट करीब 43 अरब रुपये था, जिसे बढ़ाकर इस बार 46 अरब रुपये प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान में पार्षद कोटा जीएसटी सहित 2.10 करोड़ रुपये है। पार्षद इसे बढ़ाकर 2.50 करोड़ रुपये करने की मांग उठाएंगे। वहीं, 27 जनवरी को हुई सदन की बैठक में जल निकासी, सीवर और अवैध कब्जों का मुद्दा छाया रहा था। महापौर के आश्वासन के बावजूद एक सप्ताह में अफसरों ने सवालों के जवाब नहीं दिए। पार्षदों का आरोप है कि सदन और कार्यकारिणी में लिए गए फैसलों पर अधिकारी अमल नहीं कर रहे हैं और केवल खानापूर्ति की जा रही है। कांग्रेस पार्षद दल की नेता ममता चौधरी, सपा पार्षद यावर हुसैन रेशू, और भाजपा पार्षद नागेंद्र सिंह, राजीव दीक्षित, रेखा सिंह, मुकेश सिंह मोंटी व अमित चौधरी ने साझा स्वर में कहा कि अफसर सदन की गरिमा को ताक पर रखकर मनमानी कर रहे हैं। पिछले सदन के लंबित मुद्दों पर इस बार जवाबदेही तय की जाएगी। वहीं, डेढ़ महीने बाद भी पुनरीक्षित बजट सदन से पास न कराने, सीवर और ड्रेनेज के कार्यों में जल निगम की ढिलाई, अफसरों के बैठकों में सहमति जताने के बाद धरातल पर काम न करने के मुद्दे पर हंगामा होने के पूरे आसार हैं।

नशे में नहर में गिरा युवक, 22 घंटे बाद मिला शव

लखनऊ, (संवाददाता)। कृष्णानगर के विशेषवरनगर निवासी सोनू चौहान (35) बुधवार शाम शारदा नहर में गिर गए। 22 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद बृहस्पतिवार दोपहर करीब दो बजे एसडीआरएफ ने सोनू के शव को खोज निकाला। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह के अनुसार, सोनू पारा में पान की गुमटी पर काम करते थे। बुधवार शाम वह शराब के नशे में तिकोनिया तिराहे के पास शारदा नहर किनारे बनी बाउंड्रीवॉल पर बैठे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नहर में गिर गए। नशे की हालत में होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और डूब गया। पुलिस ने पहले तो स्थानीय गोताखोरों की मदद से सोनू की तलाश की, पर सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसटीआरएफ टीम ने काफी मशक्कत के बाद बृहस्पतिवार दोपहर सोनू के शव को नहर से निकाला। इंस्पेक्टर पारा का कहना है कि सोनू के परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है।

लविवि के अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों में धूमधाम से मनी होली

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावास बीरबल साहनी व आचार्य नरेंद्र देव में होली बड़ी धूमधाम से मनाई गई। विदेशी विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति की जीवंतता और रंगों के उत्सव का अनुभव किया। विद्यार्थियों ने भारतीय विद्यार्थियों को भी रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। कुलपति प्रो. जेपी सैनी और डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से छात्रों से होली के विषय में संवाद किया।

सुस्त सर्वर ने किया मायूस नहीं मिली तत्काल की सीटें

लखनऊ, (संवाददाता)। आईआरसीटीसी के सुस्त सर्वर के कारण बृहस्पतिवार को तत्काल कोटे

की आस लगाकर बैठे यात्रियों को मायूसी हाथ लगी। तत्काल कोटा खुलने के महज पांच मिनट में ही दिल्ली, मुंबई रूट की ट्रेनों की सीटें फुल हो गईं। वहीं, रेगुलर ट्रेनों में लंबी वेटिंग बनी हुई है। इससे यात्रियों को जनरल बोगियों में सफर के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को तत्काल कोटे में 490 सीटें खाली थीं, जिसमें यात्रियों के हाथ सिर्फ 74 सीटें ही लगीं। होली के बाद बृहस्पतिवार से दिल्ली व मुंबई लौटने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है। चारबाग व लखनऊ जंक्शन सहित राजधानी के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है, जो शुक्रवार से और बढ़ेगी। रेगुलर ट्रेनों में कन्फर्म सीटों की मारामारी के चलते बृहस्पतिवार सुबह यात्रियों ने तत्काल कोटे में टिकट बुक कराने का प्रयास किया। शुक्रवार को लखनऊ से दिल्ली व मुंबई जाने वाली ट्रेनों में तत्काल कोटे की 490 सीटें रिक्त थीं। आलमबाग निवासी शरद शुक्ल ने गोमतीनगर से मुंबई जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस की थर्ड एसी के लिए तत्काल में सीट बुक करने का प्रयास किया, लेकिन आईआरसीटीसी के सुस्त सर्वर के चलते उन्हें सीट ही नहीं मिल पाई। टिकट डिटेल भरने के बाद एरर आ गया और पेमेंट भी फेल हो गया। वह दोबारा प्रयास करते, उससे पहले ही वेटिंग शुरू हो गई। ऐसे ही इंजीनियर नेहा सिंह ने लखनऊ मेल में सेकंड एसी में टिकट बुक कराने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी सफलता हाथ नहीं लगी। अब वह शुक्रवार को दोबारा तत्काल कोटे के लिए प्रयास करेंगी, ताकि शनिवार को यात्रा कर गंतव्य तक पहुंच सकें।

पेट्रोल पंपों पर लगी लाइनें, दाम बढ़ने की आशंका पर पेट्रोल–डीजल डंप कर रहे लोग

लखनऊ, (संवाददाता)। ईरान, इस्राइल व अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बाद तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका से बहराइच के ग्रामीण इलाकों में अफरातफरी का माहौल है। इसी डर से शुक्रवार को पेट्रोल–डीजल लेने के लिए पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई जगहों पर लंबी–लंबी कतारें लग गईं। पंप संचालकों को व्यवस्था संभालना मुश्किल हो गया। सबसे ज्यादा दबाव सुजौली क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर देखा गया। सुबह से ही बाइक, कार और डीजल लेने आए

किसानों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। कई ग्रामीण अतिरिक्त डिब्बों और गैलनों में भी पेट्रोल–डीजल भरवाते नजर आए। ताकि, भविष्य में कीमत बढ़ने या आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में परेशानी न हो। भीड़ बढ़ने से अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को लाइन में लगाकर ईंधन दिलाने की व्यवस्था कराई। पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि सामान्य दिनों की तुलना में अचानक कई गुना अधिक ग्राहक पहुंच गए। इससे कुछ समय के लिए वितरण व्यवस्था प्रभावित हो गई। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए तेल के दाम बढ़ने की आशंका है, इसलिए लोग पहले से ही ईंधन भरवा रहे हैं। पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सामान्य रूप से ईंधन लेने की अपील की है।

परंपराओं में घुलकर और चटख हुआ सौहार्द का रंग

लखनऊ, (संवाददाता)। होली के रंगों के साथ राजधानी में सौहार्द का रंग अपनी परंपराओं में घुलकर और चटख हो गया। शहर के ऐतिहासिक चौक क्षेत्र में बुधवार को परंपरागत होरियारों का जुलूस धूमधाम के साथ निकला। करीब 70 वर्षों से लगातार निकल रहा यह जुलूस रंग–गुलाल, पुष्पवर्षा और फाग गीतों के बीच पूरे इलाके को होली के रंग में रंगता चला गया। घोड़े, ऊंट, बग्घी, रथ और खच्चरों पर सवार होरियारों की टोली ने टेसू के फूलों से बने रंग उड़ाते हुए लोगों को होली की शुभकामनाएं दीं। हवा में उड़ते रंग–बिरंगे गुलाल से आसमान इंद्रधनुषी रंगों से भर उठा और दर्शकों ने इस मनमोहक दृश्य का भरपूर आनंद लिया। जुलूस का नेतृत्व होली समिति के अध्यक्ष गोविंद्र शर्मा, पार्षद व संयोजक अनुराग मिश्रा, उपाध्यक्ष डॉ. राजकुमार वर्मा, ओम प्रकाश दीक्षित, अमित टंडन और राज बाबू रस्तोगी सहित अन्य वरिष्ठ नागरिकों ने किया। जुलूस चौक स्थित कोनेश्वर मंदिर से शुरू होकर पं. अमृत लाल नागर चौक, कमला नेहरू मार्ग,

मेडिकल क्रासिंग, विक्टोरिया स्ट्रीट, मेफेयर तिराहा, अकबरी गेट, तहसीन मस्जिद, गोटा बाजार और चौक सर्राफा होते हुए पुनः पं. अमृत लाल नागर चौक पर सम्पन्न हुआ। जुलूस में राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा और भाजपा नेता नीरज सिंह भी शामिल हुए। सभी ने पद्म विभूषण पं. अमृत लाल नागर और पूर्व सांसद लालजी टंडन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर लोगों को होली की बधाई दी। जुलूस के दौरान गायकों की टोलियों ने फाग गीतों से माहौल को उत्सवमय बनाए रखा, वहीं मुस्लिम समाज के लोगों ने भी जगह–जगह फूलों से स्वागत कर लखनऊ की गंगा–जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। चौक सब्जी मंडी, विक्टोरिया स्ट्रीट, अकबरी गेट और सराय तहसीन समेत कई स्थानों पर व्यापार मंडलों और स्थानीय लोगों ने जुलूस का स्वागत किया। समापन के अवसर पर समिति की ओर से 'होरियारा सम्मान' भी प्रदान किया गया। आकर्षक वेशभूषा के लिए उत्तम कपूर और आनंद रस्तोगी को 11–11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया। करीब 200 वर्षों की परंपरा से जुड़ा चौक का यह होली मेला नवाबी दौर की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है। देर रात तक चले इस आयोजन में विभिन्न सामाजिक संगठनों और व्यापार मंडलों की ओर से होली मिलन कैम्प लगाए गए, जहां लोगों को ठंडाई, खस और गुलाब का शरबत तथा पान खिलाकर बधाई दी गई। रंग खेलने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने कोनेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन भी किए। शुभ संस्कार समिति की ओर से आयोजित 52वां होली का जुलूस धूमधाम से निकाला गया। लक्ष्मीकांत पांडेय के नेतृत्व में चली निकली बरात में राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा और अन्य गणमान्य मेडिकल चौराहे पर शामिल हुए।

आईटी सिटी योजना की लान्चिंग नौ को, लॉटरी से दिए जाएंगे प्लॉट

लखनऊ, (संवाददाता)। एलडीए की सुल्तानपुर रोड स्थित आईटी सिटी योजना नौ मार्च को लॉन्च होगी। इस मौके पर सबसे पहले उन लोगों को लॉटरी डालकर प्लॉट आवंटित किए जाएंगे, जिन्होंने लैंड पूलिंग योजना के तहत निशुल्क जमीन दी है। इन्हें जमीन के बदले एलडीए 25 प्रतिशत विकसित जमीन देगा। अभी पहले चरण की लॉटरी में उन लोगों को शामिल किया गया है, जिन लोगों ने 31 जनवरी तक लैंड पूलिंग की योजना पूरी कर ली है। इन्हें प्लॉट आवंटित करने के लिए पहले 28 फरवरी की तारीख तय थी, मगर अचानक टल गई थी। अब यह नौ मार्च को होगी। लॉटरी गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सुबह 10 बजे से होगी। लॉटरी के जरिये जो प्लॉट आवंटित किए जाएंगे, वह छह तरह के हैं। ये 288 वर्ग मीटर, 200 वर्ग मीटर, 128 वर्ग मीटर, 72 वर्ग मीटर, 45 वर्ग मीटर और 35 वर्ग मीटर के हैं। जिस व्यक्ति की जितनी जमीन होगी, उसी हिसाब से उसे बड़े से छोटे की तरह प्लॉट आवंटित होंगे। जिन्हें 25 प्रतिशत से ज्यादा जमीन का प्लॉट मिलेगा, उनसे एलडीए तय रेट के हिसाब से पैसा लेगा। प्लॉट लॉटरी से आवंटित होंगे, ऐसे में इसमें किसे कहां पर, किस आकार का प्लॉट मिलेगा, यह लॉटरी से तय होगा।

प्आईटी सिटी योजना की लॉन्चिंग अब नौ मार्च को होगी। उस दिन सबसे पहले उन लोगों को प्लॉट लॉटरी के जरिये आवंटित किए जाएंगे, जिन्होंने योजना के लिए जमीन दी है। उसके बाद आम लोगों के लिए पंजीकरण खोला जाएगा।

अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर यात्री को हार्ट अटैक आने पर जीआरपी कर्मी ने सीपीआर देकर बचाई जान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर एक यात्री को अचानक हार्ट अटैक आने से अफरा–तफरी मच गई।जानकारी के अनुसार बस्ती जनपद के सोनबरसा निवासी करीब 40 वर्षीय श्यामू अपने परिजनों के साथ दिल्ली जाने के लिए ट्रेन संख्या 14205 से यात्रा करने आए थे। और प्लेटफॉर्म नंबर–1 पर बैठे थे।इसी दौरान उन्हें अचानक हार्ट अटैक आ गया और वे अचेत हो गए।इस संबंध में थाना अध्यक्ष जीआरपी समर बहादुर सिंह ने बताया कि मौके पर मौजूद जीआरपी थाने में ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल अखंड प्रताप सिंह ने तुरंत सीपीआर देकर उनकी जान बचाने का प्रयास किया।बाद में 108 एम्बुलेंस से उन्हें अस्पताल भेजा गया।यात्रियों ने जीआरपी की सराहना की।

रसोई गैस सिलेंडर के दामों के विरोध मे कांग्रेस नेताओं ने जताया विरोध

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा की मोदी सरकार द्वारा रसोई गैस के सिलेंडर के दामों में भारी बढ़ोतरी की कड़ी निंदा करते हुए देश की जनता के साथ विश्वासघात बताया।कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष चेतनारायण ने कहा भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है आम आदमी को महंगाई और बदहाली के अलावा कुछ नहीं दिया, उन्होंने कहा आपदा में अवसर देखकर जो आम आदमी के भोजन को महंगा किया है उसका जवाब देश की जनता आने वाली दिनों में देगी।श्री सिंह ने कहा कांग्रेस पार्टी आमजन के हितों के लिए सड़क पर उतरकर संघर्ष करेगी उन्होंने कहा मोदी सरकार आम जनता को महंगाई बेरोजगारी से ध्यान बांटने के लिए अनर्गल बातें कर देश की जनता को गुमराह करती है।महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम , पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रताप सिंह,जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने भी रसोई गैस व कामर्शियल सिलेंडरों के दामों में भारी बढ़ोतरी की आलोचना करते हुए कहा भाजपा की सत्ता से विदाई के बाद ही आम आदमी को महंगाई से राहत मिलेगी । नेताओ ने कहा भारतीय जनता पार्टी जब से सत्ता में आई है तब से देश के गरीबों को नुकसान पहुंचा कर अमीरों को फायदा पहुंचा रही है, लेकिन जनता अब उनके मंसूबों को भाप चुकी है ।

19 मार्च को राम मंदिर मे चार घंटे रहेंगी राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। राम मंदिर परिसर में चल रही भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक का शनिवार को दूसरा दिन रहा।बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मीडिया को मंदिर निर्माण और आगामी कार्यक्रमों को लेकर अहम जानकारी दी।बैठक में मुख्य रूप से भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित अयोध्या दौरे और कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई।इस संबंध मे उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति

19 मार्च को सुबह करीब 11 बजे राम मंदिर परिसर पहुंचेंगी और लगभग चार घंटे तक वहीं रहेंगी।नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए उस दिन श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन बंद रहेंगे।इस मौके पर सुरक्षा को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी।उन्होंने बताया कि राम मंदिर अयोध्या का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।अब केवल दो प्रमुख कार्य बाकी हैं, जिनमें हुतात्मा स्मारक और अस्थायी मंदिर का निर्माण शामिल है।रामलला के सूर्य तिलक की परंपरा को बनाए रखने के लिए सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट और ऑप्टिका के साथ 10 साल का अनुबंध किया गया है। इसके तहत हर वर्ष रामनवमी पर सूर्य की किरणें विशेष व्यवस्था से रामलला के मस्तक पर पड़ेंगी।बताया कि बैठक में राष्ट्रपति के दौरे के साथ ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर भी चर्चा हुई। समिति के मुताबिक कार्यक्रम के बाद व्यवस्थाओं को और व्यवस्थित कर श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा।

जनता दर्शन में डीएम ने किया कई शिकायतों का निस्तारण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शनिवार को जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन का आयोजन किया गया।जिसमें जिले के विभिन्न ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों से आए आम नागरिकों ने अपनी

समस्याएं एवं शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं।इस मौके पर जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाए तथा शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न हो। जनता दर्शन में मुख्य रूप से भूमि विवाद, राजस्व संबंधित प्रकरण, पेंशन,विद्युत, जलापूर्ति, सड़क मरम्मत, स्वास्थ्य सुविधा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मुद्दे सामने आए।जनता दर्शन मे जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की जाए और शिकायतकर्ता को निस्तारण की जानकारी समय से उपलब्ध कराई जाए।

शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट की आज एक बैठक आभा होटल में हुई।बैठक की अध्यक्षता युवा साहित्यकार और ट्रस्ट के संरक्षक डॉ विशाल श्रीवास्तव ने किया और संचालन ट्रस्ट की युवा सदस्य पूजा श्रीवास्तव ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है यह दिन महिलाओं के लिए बहुत ही अहम दिन है इस दिन को पूरी दुनिया में महिलाये बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाती है।हर साल ट्रस्ट भी महिलाओं के इस दिन को मनाता चला आ रहा है।पिछले साल से आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वयं सिद्धा सम्मान से मातृ शक्तियों को सम्मानित करने लगा है पिछले बार 42 मातृ शक्तियों को स्वय सिद्धा सम्मान से सम्मानित किया गया था,और उस बार भी 60 मातृ शक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।इस मौके पर पूजा श्रीवास्तव ने कहा कि यह कार्यक्रम दो चरणों में सम्पन्न होगा।पहले चरण में ष्नई दुनिया,नई स्त्री,नई संभावनाएं विषय पर सेमिनार होगा, मुख्यतिथि वरिष्ठ साहित्यकार लेखक डॉ पूनम सूद होगी,वक्ता डॉ ममता सिंह प्रतापगढ़,नाजिश फातिमा जी होगी,उसके बाद मातृ शक्तियों का सम्मान होगा।बैठक में,वरिष्ठ साहित्यकार रामजीत यादव राजीव श्रीवास्तव,बृजेश श्रीवास्तव,मुजम्मिल फिदा,मोहम्मद जफर डॉ नीरज सिंहा नीर, अखिलेश सिंह, जयप्रकाश श्रीवास्तव,महावीर पाल,वाहिद अली कबीर, मौजूद रहे।

संत समाज का उद्देश्य धर्म और समाज की रक्षा करना है : शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,07 मार्च। यूपी के जौनपुर में नईगंज स्थित कंचन कॉम्प्लेक्स में शनिवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के बाद शंकराचार्य ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए गौ रक्षा और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि गौ माता की रक्षा और सम्मान के लिए चल रहे आंदोलन को "गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा" नाम दिया गया है। इस अभियान के तहत वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे और सरकार से जवाब मांगेंगे। उन्होंने कहा कि गौ माता पूरे विश्व की माता हैं और हर व्यक्ति को इसकी जानकारी और सम्मान होना चाहिए।

शंकराचार्य ने कहा कि संत समाज का उद्देश्य धर्म और समाज की रक्षा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज की सरकारें गौ रक्षा का वादा करके सत्ता में आती हैं, लेकिन उनके कथन और आचरण में एकरूपता दिखाई नहीं देती। उन्होंने बताया कि सरकार को 40 दिन का समय दिया गया था कि वह अपने कार्यों से गौ माता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सिद्ध करे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, इसलिए अब संत समाज आंदोलन के माध्यम से जवाब मांगेगा।

उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह मामला अदालत में विचाराधीन है और किसी के ऊपर भी झूठे मुकदमे लगाए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि संत और असंत के बीच का भेद स्पष्ट किया जाए।

प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आज का शासक गाय को माता नहीं बल्कि संपत्ति के रूप में देखने लगा है, जो सनातन परंपरा और आस्था के विरुद्ध है।

शंकराचार्य ने जौनपुर की धार्मिक और ऐतिहासिक महत्ता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह भूमि महर्षि यमदग्नि और भगवान परशुराम की तपोभूमि रही है। गोमती नदी के तट पर गाय की सेवा और संरक्षण की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है।

उन्होंने बताया कि जौनपुर के जमैथा गांव में स्थित गोमती नदी तट पर महर्षि यमदग्नि मुनि ने गाय की सेवा की थी। इसी स्थान से अन्याय के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा मिलती है। जौनपुर आकर महर्षि यमदग्नि का आशीर्वाद लेकर वह अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

इससे पहले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गोमती नदी तट स्थित जमैथा गांव में महर्षि यमदग्नि मुनि के आश्रम पहुंचकर दर्शन–पूजन भी किया।

ऑपरेशन के बाद विवाहिता की मौत, परिजनों का अस्पताल पर लापरवाही का आरोप, किया हंगामा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,07 मार्च। यूपी के जौनपुर स्थित शाहगंज कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र के बड़ा गांव स्थित मां शांति अस्पताल में ऑपरेशन के बाद शनिवार एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। शाहगंज क्षेत्र के दिपाईपुर गांव निवासी यशपाल की पत्नी रेखा देवी को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए मां शांति अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार की रात करीब 10 बजे चिकित्सकों ने उनका ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद रेखा देवी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। परिजनों का आरोप है कि मरीज की हालत बिगड़ने के बावजूद अस्पताल में कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। अस्पताल स्टाफ ने फोन पर चिकित्सक से संपर्क किया, जिसके बाद एक इंजेक्शन लगाया गया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। आरोप है कि उचित उपचार न मिलने के कारण रात करीब 3 बजे रेखा देवी की मौत हो गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि जरूरी जांच रिपोर्ट आने से पहले ही ऑपरेशन कर दिया गया था, जो गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। घटना की सूचना मिलते ही शाहगंज क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान समेत सर्किल के कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि परिजनों को समझाकर शांत कराया और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। मृतका के देवर ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को लिखित शिकायत भी दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के पति खाड़ी देश में नौकरी करते हैं और वहीं से परिवार का भरण–पोषण करते हैं। रेखा देवी की दो बेटियां हैं।12 वर्षीय प्रतिज्ञा और 6 वर्षीय आराध्या, जो कक्षा 3 की छात्रा है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है।

अमेरिका व इजराइल के सैन्य हमले के विरोध मे वामदलों के नेताओं ने विरोध कर तहसीलदार सदर के माध्यम से राष्ट्रपति को सौपा ज्ञापन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शनिवार को वामदलों ने ईरान पर जारी अमेरिकी इजराइली सैन्य हमले जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारियों और सैकड़ों निर्दोष छात्राओं की हत्या का कड़ा विरोध किया है।इसे अमेरिका की साम्राज्यवादी नीति का परिणाम और अमेरिका इजरायल की वैश्विक दादागीरी बताते हुए शनिवार को तहसील सदर पर विरोध प्रदर्शन किया।इस युद्ध को अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन बताते हुए इसे तत्काल रोके जाने की मांग की।वामदलों के नेताओं ने कहा कि अमेरिका और इजरायल अंतरराष्ट्रीय कानून, राष्ट्रीय संप्रभुता और वैश्विक शांति के लिए गम्भीर खतरा बन गए हैं। दोनों देश अपने साम्राज्यवादी नीति के विस्तार के लिए अन्य देशों के उर्जा संसाधनों, सामरिक क्षेत्रों और व्यापार पर कब्जा करना चाहते हैं।नेताओं ने पश्चिम एशिया में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और प्रभावित भारतीय कामगारों व परिवारों के समयबद्ध निकासी और सहायता योजना घोषित करने की मांग की और साथ ही यह भी कहा कि युद्ध से उत्पन्न तेल संकट, मंहगाई या आर्थिक अस्थिरता का बोझ मजदूरों, किसानों और गरीब तबकों पर नहीं डाला जाना चाहिए।नेताओं ने जारी युद्ध और नृशंस हत्याओं पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए अमेरिका द्वारा भारत के मामलों में बार बार किये जा रहे हस्तक्षेप को देश की संप्रभुता को कमजोर करने वाला कदम बताया।इस सम्बन्ध में राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन भी तहसीलदार सदर को सौंपा गया।विरोध प्रदर्शन में भाकपा जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी, माकपा जिला सचिव अशोक यादव, भाकपा (माले) जिला प्रभारी अतीक अहमद, फारवर्ड ब्लाक संयोजक हरीशचंद्र श्रीवास्तव, माले राज्य कमेटी सदस्य राम भरोस, संयुक्त किसान मोर्चा संयोजक मया राम वर्मा, भाकपा नेता सूर्यकांत पांडेय, अयोध्या प्रसाद तिवारी, उदयचंद यादव, यासीन बेग, ओमप्रकाश यादव, मो० मुजीब, कृष्ण कुमार मौर्य, यशोदा नन्दन कृष्ण, राम सिंह, दिलीप गुप्ता, भोजराज वर्मा, राजेश मौर्य, राम प्रसाद आदि शामिल रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला पंचायत की बैठक संपन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को जिला पंचायत की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह की अध्यक्षता में पंचायत भवन स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में विधायक रुदौली रामचंद्र यादव, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में जनपद के पंचायत क्षेत्रों में कराए जा रहे विकास कार्यों तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि पंचायत क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। इसके लिए जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण आपस में संवाद अवश्य करते रहें।बैठक के दौरान जिला पंचायत सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों के प्रस्तावों को रखा। संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा सदस्यों को योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई तथा प्राप्त सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।इस अवसर पर अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत मुकेश जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 60 मातृ शक्तियां स्वयं सिद्धा सम्मान से होंगी सम्मानित – सत्यभान सिंह

अयोध्या। शहीद भगत सिंह स्मृति ट्रस्ट, द्वारा कल आठ मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी 'नयी दुनिया दृ नयी स्त्री दृ नयी सम्भावनाएं' विषय पर अतिथि डॉ पूनम सूद,नाजिश फातिमा ममता सिंघार डॉ विशाल श्रीवास्तव विषय परिवर्तन पर वक्तव्य देंगे।चेयर मैन सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि कल कार्यक्रम की तैयारी पूरी हो चुकी है इस सम्मान में पाने वाली महिलाओं को शिक्षा सामाजिक,विधि पत्रकारिता मजदूरी,गृहणी, संगीत,साहित्य के क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं को सम्मान दिया जा रहा है सम्मान,कार्यक्रम दो चरणों में सम्पन्न होगा पहले चरण में नई दुनिया नई स्त्री नई संभावनाएं विषय पर सेमिनार और दूसरे चरण में 60 महिलाओं का किया

जाएगा स्वयं सिद्धा सम्मान से सम्मानित।समाज में महिलाओं की शक्ति, संघर्ष और उपलब्धियों का सम्मान करते हुए एक नई सोच और नई संभावनाओं की दिशा में कदम बढ़ाना होगा।यह कार्यक्रम सुबह ग्यारह बजे से चौक मोतीबाग आभा होटल के सभागार में शुरू होगा।कार्यक्रम में शहर के तमाम बुद्धिजीवी साहित्यकार लेखक सामाजिक लोग शामिल हो रहे है।

एसपी ग्रामीण व साइबर क्राइम नोडल प्रभारी बलवंत चौधरी के मार्गदर्शन में साइबर टीम कर रही सराहनीय कार्य

(राजन तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले में एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी ग्रामीणध्साइबर क्राइम के नोडल प्रभारी बलवंत चौधरी के मार्गदर्शन में लगातार पीड़ितों को धनराशि को वापस करा रही है।शुक्रवार को साइबर क्राइम टीम ने दो पीड़ितों के रुपये को वापस कराया।पुलिस मीडिया सेल के मुताबिक साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक मो अरशद व उनकी टीम ने साइबर जागरुकता कार्यक्रम किये जानें के क्रम में एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज नंबर 33103260049092 जिसमें गलती से दूसरे के खाते में रुपये चले जाने के सम्बन्ध में कार्यवाही करते हुए आवेदक को कुल 20000 रुपये की धनराशि वापस कराया।वही शनिवार को एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज एसीके नंबर दृ 23103260043294 जिसमें पीएनबी एप्प डाउनलोड करने के बाद मोबाइल हैक करके खाते से रुपये ट्रान्सफर कर लेने सम्बन्ध में कार्यवाही करते हुए 26961 तथा एसीके नंबर 33102260038619 जिसमें मोबाइल हैक करके खाते से रुपये ट्रान्सफर कर लेने के सम्बन्ध में कार्यवाही करते हुए आवेदक को कुल 2400 रुपये की धनराशि वापस कराया।इस संबंध में एसपी ग्रामीण वी साइबर क्राइम मॉडल प्रभारी बलवंत चौधरी ने लोगों से अपील किया है कि सभी

सम्मानित लोग साइबर अपराधों से सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक पर विश्वास न करें और धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा cybercrime-gov-in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।

अवशेष धन आवंटित भुगतान में खेल बर्दाशत नहीं करेगा संघ

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जनपद अयोध्या के सैकड़ो शिक्षक साथियों का चयन वेतन मान अवशेष प्रोन्नत वेतनमान अवशेष वेतन अंतर अवशेष भुगतान हेतु धन आवंटित कर दिया गया है वित्त नियंत्रक महोदय द्वारा लेकिन कार्यालय के लेखाकार द्वारा उक्त आवंटित धन की सूचना संबंधित विद्यालय अध्यापक को नहीं दी जाती जिसके कारण भुगतान संभव नहीं हो पाता संगठन के जिला मंत्री आलोक तिवारी आज संगठन के पदाधिकारी के साथ वित्त एवं लेखाधिकारी माध्यमिक अनुपम कुमार का घेराव किया और ज्ञापन दिया कहा कि इस वित्तीय वर्ष में जितने शिक्षकों का धन आवंटन हो गया है उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाए अन्यथा संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसका समस्त उत्तरदायित्व संबंधित अधिकारी का होगा घेराव में महानगर अध्यक्ष अनूप पांडे महानगर मंत्री सत्य प्रकाश देवेश पांडे कमलेंद्र सतीश ओझाराधेश्याम वर्मा उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।